

बी.ए. सेमेस्टर पंचम
संस्कृत साहित्य
वर्ग (अ)
भारतीय धर्म, दर्शन एवं व्याकरण
Paper Code : SAN 301

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट: प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

$10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो।

$5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्नांकित पाँच इकाइयों में विभाजित होगा —

1. इकाई प्रथम — मनुस्मृति (प्रथम अध्याय)
2. इकाई द्वितीय — तर्कसंग्रह— श्री अन्नम्भट्ट
3. इकाई तृतीय — श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)
4. इकाई चतुर्थ— लघुसिद्धान्तकौमुदी—तिङन्त प्रकरण — भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुज्, तुद्, रुध्, तन्, चुर् पाँचों लकारों की ससूत्र रूपसिद्धि।
5. इकाई पंचम— वाच्यपरिवर्तन एवं संस्कृत से हिन्दी — अनुवाद।

विशेष निर्देश खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से एक गद्यांश की संस्कृत व्याख्या एवं एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या अथवा दो टिप्पणी (8+8=16)। इकाई तृतीय से दो पद्यों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ के दो भाग (अ) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2×4=8) (ब) दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि (2×4=8)। इकाई पंचम से 4 वाक्यों का वाच्य परिवर्तन (4×2=8 अंक) एवं 4 संस्कृत अपठित सूक्तियों का हिन्दी में अनुवाद (4×2=8 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन :- शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है – विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) 30 अंक, विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि 20 अंक।

सहायक ग्रन्थ—

1. तर्कसंग्रह —डॉ. रामसिंह चौहान, अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
2. तर्कसंग्रह— डॉ चन्द्रशेखर द्विवेदी।
3. तर्कसंग्रह—श्रीकृष्ण ओझा , राजमन्दिर प्रकाशन, जयपुर।
4. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)—डॉ. बाबूराम त्रिपाठी।
5. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) डॉ. यशवन्त कुमार जोशी।
6. गीता प्रबोधिनी—स्वामी रामसुखदास, गीता प्रेस गोरखपुर।
7. मनुस्मृति— डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
8. मनुस्मृति— डॉ.गोविन्द शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
9. लघुसिद्धांतकौमुदी —(भैमी व्याख्या)—अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
10. संस्कृत निबंध—निकुंज — डॉ. वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी।

अथवा

बी.ए. सेमेस्टर पंचम

संस्कृत साहित्य

वर्ग (ब) प्राचीन व अर्वाचीन पद्य साहित्य एवं व्याकरण

Paper Code : SAN 301

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट: प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

$10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो।

$5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्नांकित पाँच इकाइयों में विभाजित होगा —

1. इकाई प्रथम— किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)—भारवि कृत
2. इकाई द्वितीय— नीतिशतकम् — भर्तृहरि
3. इकाई तृतीय— संस्कृतशतकम् — डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
4. इकाई चतुर्थ— लघुसिद्धान्तकौमुदी—तिङन्त प्रकरण — भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुज्, तुद्, रुध्, तन्, चुर् पाँचों लकारों की ससूत्र रूपसिद्धि।
5. इकाई पंचम— वाच्यपरिवर्तन एवं संस्कृत से हिन्दी — अनुवाद।

विशेष निर्देश खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक सामान्य प्रश्न (8+8=16)। इकाई द्वितीय से दो पद्यों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16)। इकाई तृतीय से एक पद्य की संस्कृत व्याख्या एवं एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16)। इकाई चतुर्थ के दो भाग (अ) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (ब) 4 में से 2 शब्दों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि (2×4=8+8=16)। इकाई पंचम से 4 वाक्यों का वाच्य परिवर्तन (4×2=8 अंक) एवं 4 संस्कृत अपठित सूक्तियों का हिन्दी में अनुवाद (4×2=8 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन : शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) 30 अंक विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि 20 अंक।

सहायक ग्रन्थ —

1. किरातार्जुनीयम्— डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर।
2. किरातार्जुनीयम् — डॉ० श्रीकृष्ण ओझा, राजमन्दिर प्रकाशन, जयपुर।
3. नीतिशतकम् — डॉ. रूप नारायण त्रिपाठी, आदर्श प्रकाशन, जयपुर।
4. नीतिशतकम् — डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, राज मन्दिर प्रकाशन, जयपुर।
5. नीतिशतकम् — डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर।
6. संस्कृतशतकम् — प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी— डॉ. सुभाष वेदालंकार।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी — भैमी व्याख्या, भैमी प्रकाशन।
9. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका — बाबूराम त्रिपाठी।

अथवा

बी.ए. सेमेस्टर पंचम

संस्कृत साहित्य

वर्ग (स) प्राचीन व अर्वाचीन गद्य, नाट्य साहित्य एवं व्याकरण

Paper Code : SAN 301

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट: प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

10×2 = 20 अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो।

5×16= 80 अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्नांकित पाँच इकाइयों में विभाजित होगा —

1. इकाई प्रथम — विश्रुतचरितम् (दशकुमारचरितम्)
2. इकाई द्वितीय — प्रेक्षणकसप्तकम् (नुक्कड़ नाटक) — प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. इकाई तृतीय — जीवनस्य पाथेयम् (उपन्यास) — डॉ. कलानाथ शास्त्री
4. इकाई चतुर्थ — लघुसिद्धांतकौमुदी—तिङन्त प्रकरण — भू, एध्, अद्, हु, दिव्, पुज्, तुद्, रुध्, तन्, चुर् पाँच लकारों की ससूत्र रूपसिद्धि।
5. इकाई पंचम — वाच्यपरिवर्तन एवं संस्कृत से हिन्दी — अनुवाद।
- 6.

विशेष निर्देश खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक गद्यांश की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक सामान्य प्रश्न (8+8= 16)। इकाई द्वितीय से किसी एक प्रेक्षणक की कथा का सार अथवा दो टिप्पणी एवं एक सामान्य प्रश्न (8+8= 16)। इकाई तृतीय से एक गद्यांश की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न (8+8=16)। इकाई चतुर्थ में दो भाग, (अ) 4 में से 2 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं (ब) 4 में से 2 शब्दों की सूत्रोल्लेख पूर्वक रूपसिद्धि (2×4=8+8=16)। इकाई

पंचम से 4 वाक्यों का वाच्य परिवर्तन (4×2=8 अंक) एवं 4 संस्कृत अपठित सूक्तियों का हिन्दी में अनुवाद (4×2=8 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन : शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है— विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) 30 अंक विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि 20 अंक।

सहायक ग्रन्थ—

1. विश्रुतचरितम् — डॉ० विश्वनाथशर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर।
2. विश्रुतचरितम् — श्रीकृष्ण ओझा। राजमन्दिर प्रकाशन, जयपुर।
3. प्रेक्षणकसप्तकम् — प्रो० राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
4. जीवनस्य पाथेयम् — देवर्षि कलानाथ शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर।
5. आख्यानवल्लरी — देवर्षि कलानाथ शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी — भैमी व्याख्या, भैमी प्रकाशन।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी — डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
8. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका — डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, रचना प्रकाशन।
9. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका—रामनारायण लाल प्रह्लाद दास, इलाहबाद।

बी.ए. सेमेस्टर षष्ठ

संस्कृत साहित्य

वर्ग (अ) काव्य, दर्शन, व्याकरण एवं निबन्ध

Paper Code: SAN 302

समय 3 घंटे

पूर्णांक—100

नोट: प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो—

10×2= 20 अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो।

5×16= 80 अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्नांकित पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. इकाई प्रथम— रामायण सुन्दरकाण्ड (15 वां अध्याय)

2. इकाई द्वितीय— विदुरनीति (प्रथम अध्याय)
3. इकाई तृतीय — भारतीय दर्शन के सिद्धांत, निम्नलिखित बिन्दुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

- (अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएँ।
- (ब) सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद।
- (स) योग दर्शन का ईश्वरवाद।
- (द) अद्वैत वेदान्त का मायावाद।
- (य) न्याय वैशेषिक में मोक्ष का स्वरूप।
- (र) वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद।
- (ल) पूर्वमीमांसा में धर्मस्वरूप।
- (व) चार्वाक की प्रमाण मीमांसा।
- (ह) बौद्ध दर्शन का शून्यवाद।
- (च) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद।

4. इकाई चतुर्थ — अशुद्धि संशोधन (कारक आधारित)
5. इकाई पंचम— संस्कृत निबन्ध रचना (संस्कृत निबन्ध रचना के विषय निम्नांकित हैं — कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीयसंस्कृतिः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वं, परोपकारः, सत्संगतिः, विद्यायाः महत्त्वम्, स्त्री-शिक्षा, पर्यावरणस्य महत्त्वम्)।
- 6.

विशेष निर्देश— खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8 = 16 अंक)।
इकाई द्वितीय से दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8 + 8 = 16 अंक)। तृतीय इकाई से एक सामान्य प्रश्न एवं दो टिप्पणी (8 + 8 = 16 अंक)। इकाई चतुर्थ से 8 वाक्यों का अशुद्धि संशोधन(8 x 2=16)। इकाई पंचम से एक संस्कृत निबन्ध लेखन (16 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन : शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है— विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) 30 अंक। विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = 20 अंक।

सहायक ग्रंथ—

1. रामायण— सुन्दरकाण्ड— गीता प्रेस गोरखपुर।
2. रामायण— सुन्दरकाण्ड — प्रो. श्याम लाल शर्मा— अभिषेक प्रकाशन जयपुर।
3. विदुरनीति(प्रथम अध्याय) — डॉ.हरिनारायण यादव, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा।
4. विदुरनीति(प्रथम अध्याय) — डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।

5. विदुरनीति (प्रथम अध्याय) — डॉ. हिमा गुप्ता, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
6. भारतीय दर्शन — बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा ओरिएण्टल, वाराणसी।
7. भारतीय दर्शन — चटर्जी एवं दत्ता, पुस्तक भण्डार पटना।
8. भारतीय दर्शन — चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास।
9. अशुद्धि संशोधन — संस्कृत भारती, दिल्ली।
10. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका — बाबूराम त्रिपाठी।
11. संस्कृत-निबन्ध-रचना — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।

अथवा

बी.ए. सेमेस्टर षष्ठ

संस्कृत साहित्य

वर्ग (ब) प्राचीन एवं अर्वाचीन पद्य साहित्य, व्याकरण एवं निबंध

Paper Code: SAN 302

समय 3 घंटे

पूर्णांक—100

नोट: प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में होगा।

10×2= 20 अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में होगा।

5×16= 80 अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्नांकित पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. इकाई प्रथम— कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय— समरक्षेत्रम् (काव्य संग्रह)— डॉ.कौशल तिवारी
3. इकाई तृतीय — मधुच्छंदा (काव्य संग्रह) —डॉ. हरिराम आचार्य
4. इकाई चतुर्थ — अशुद्धि संशोधन (कारक आधारित)
5. इकाई पंचम— संस्कृत निबन्ध रचना (संस्कृत निबन्ध रचना के विषय निम्न प्रकार है— कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीयसंस्कृतिः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, परोपकारः, सत्संगतिः, विद्यायाः महत्त्वम्, स्त्रीशिक्षा, पर्यावरणस्य महत्त्वम्)।

विशेष निर्देश खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक सामान्य प्रश्न (8+8=16)। इकाई द्वितीय से 2 पद्यों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16)। इकाई तृतीय से एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक कविता का हिन्दी में सार (8+8=16)। इकाई चतुर्थ से 8 वाक्यों का अशुद्धि संशोधन (8 x 2=16), इकाई पंचम से एक विषय पर संस्कृत निबन्ध लेखन (16 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन : शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) 30 अंक। विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि – 20 अंक।

सहायक ग्रन्थ—

1. कुमारसम्भवम् — डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, राजमन्दिर प्रकाशन, जयपुर।
2. कुमारसम्भवम् — डा. प्रीति प्रभा गोयल, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर।
3. कुमारसम्भवम् — डॉ.कुन्दन कुमार,सारस्वत पब्लिकेशन, पटना।
4. समरक्षेत्रम् — डॉ. कौशल तिवारी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
5. मधुच्छन्दा— डॉ. प्रिया अरोडा, प्रतीक्षा पब्लिकेशन्स. जयपुर।
6. मधुच्छन्दा — प्रो.हरिराम आचार्य, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
7. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका — डॉ. वाबूराम त्रिपाठी।
8. संस्कृतनिबन्धशतकम् — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. रचनानुवाद कौमुदी— डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा ओरिएण्टल, वाराणसी।

अथवा

बी.ए. सेमेस्टर षष्ठ संस्कृत साहित्य

वर्ग (स) प्राचीन एवं अर्वाचीन नाट्य, गद्य साहित्य, व्याकरण एवं निबंध

Paper Code: SAN 302

समय 3 घंटे

पूर्णांक—100

नोट: प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में होगा।

10×2= 20 अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में होगा।

5×16= 80 अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्नांकित पाँच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम— मालविकाग्निमित्रम् (प्रथम तीन अंक)
2. इकाई द्वितीय— कल्पवृक्षः (एकांकी संग्रह) – डॉ. हर्षदेव माधव
3. इकाई तृतीय – वरमेको गुणी पुत्रः (कथासंग्रह) – डॉ. पूर्णचन्द्र उपाध्याय (10 कथाएं – प्रतिवेशी, प्रत्युत्तरम्, वरमेको गुणी पुत्रः, पद्मिनी वै निरंजना, काकः काकः पिकः पिकः, पितरि प्रीतिमापन्ने प्रियन्ते सर्वदेवताः, यो मे भक्तः स मे प्रियः, शीतला साधुसंगतिः, बन्धनम्, वृद्धानां वचनं ग्राह्यम्।)
4. इकाई चतुर्थ – अशुद्धि संशोधन (कारक आधारित)
5. इकाई पंचम— संस्कृत निबन्ध रचना (संस्कृत निबन्ध रचना के विषय निम्नांकित हैं – कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीयसंस्कृतिः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, परोपकारः, सत्संगतिः, विद्यायाः महत्त्वम्, स्त्रीशिक्षा, पर्यावरणस्य महत्त्वम्)।

विशेष निर्देश खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से दो पद्यों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16)। इकाई द्वितीय से एक एकांकी का सार एवं एक सामान्य प्रश्न (8+8=16)। इकाई तृतीय से एक गद्यांश की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक कथा का सार (8+8=16)। इकाई चतुर्थ से 8 वाक्यों का अशुद्धि संशोधन (8 x 2=16)। इकाई पंचम से एक विषय पर संस्कृत निबन्ध लेखन (16 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन : शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) 30 अंक। विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि – 20 अंक।

सहायक ग्रन्थ—

1. वरमेको गुणी पुत्रः — प्रो. पूर्णचन्द्र उपाध्याय, विश्वबानी पब्लिकेशंस, भोपाल ।
2. कल्पवृक्षः — एकांकी संग्रह, डॉ. हर्षदेव माधव, श्री वाणी अकादमी (गुजरात) ।
3. कल्पवृक्षः — डॉ. कौशल तिवारी, विश्ववाणी प्रकाशन, भोपाल ।
4. मालिविकाग्निमित्रम् — डॉ. रमाशंकर पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
5. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका — डॉ. बाबूराम त्रिपाठी ।
6. संस्कृतनिबन्धशतकम् — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
7. रचनानुवाद कौमुदी— डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा ओरिएण्टल, वाराणसी ।